

1. INAGURATION OF 2nd BATCH OF PhD (2013)- 15-July-2013
2. SWAMI SHASHANKANANDJI TEACHES 'SELF- MANAGEMENT' TO
THE PhD SCHOLARS- 16- July- 2013

Press Clippings: 16 & 17-July-13

इक्काई में पीएचडी प्रबंधन बैच शुरू

रांची। इक्काई विवि झारखंड के पीएचडी के दूसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। बतौर मुख्य अतिथि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सचिव डॉ एके पांडेय ने कहा कि शोधकर्ता अंतर अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अनुसंधान करें, जिससे कि वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान होता है।

बैच का स्वागत करते हुए विवि के कुलपति प्रो ओआर एस राव ने कहा कि

देश में कॉमर्स और मैनेजमेंट में कुल 800 पीएचडी ही हर साल पास हो रहे हैं। यह पीजी और मैनेजमेंट संस्थानों में योग्य संकाय सदस्यों की तुलना में अपर्याप्त है। डॉ केके नाग ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। डॉ बीएम सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम शोधकर्ताओं की जरूरतों व उत्पन्न होने वाली संभावित बाधाओं को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है।

प्रभात खबर

रांची, मंगलवार
16 जुलाई, 2013

06

इक्काई विवि में पीएचडी (प्रबंधन) बैच की शुरुआत

रांची ■ इक्काई विवि झारखंड ने पीएचडी के अपने दूसरे बैच का उद्घाटन अशोकनगर स्थित प्रबंधन संकाय में किया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ एके पांडेय ने शोधकर्ताओं की अंतर अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अनुसंधान करने की सलाह दी। उन्होंने शोधकर्ताओं को पसंदीदा क्षेत्र में अधिक से अधिक ज्ञान अर्जन करने को कहा। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि आज भारत में वाणिज्य व प्रबंधन संस्थानों में जरूरी योग्य संकाय सदस्यों की कमी है। कई लोग नौकरी छोड़े बिना पीएचडी करना चाहते हैं। इस विवि में इसकी कमी पूरी की जा रही है। आज सिर्फ 12 प्रतिशत संकाय सदस्य ही पीएचडी योग्यता वाले हैं। इस मौके पर वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार डॉ केके नाग, रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह आदि थे।

दैनिक भास्कर

रांची, मंगलवार, 16 जुलाई, 2013

5

इक्काई विवि : पीएचडी का दूसरा बैच शुरू

रांची। इक्काई विवि में सोमवार को पीएचडी के दूसरे बैच का उद्घाटन



किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव एके पांडेय ने क्वालिटी रिसर्च पर बल दिया, ताकि इसका लाभ

समाज को मिले। इक्काई विवि के वीसी डॉ. ओएस राव ने कहा कि प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिवर्ष लगभग 800 स्टूडेंट्स पीएचडी कर रहे हैं, जो अपर्याप्त है। डॉ. केके नाग ने छात्रों को परिश्रम करने की सलाह दी। कुलसचिव डॉ. बीएम सिंह ने भी अपने विचार रखे।

इक्फाई विवि में पीएचडी का नया बैच

संवाददाता

रांची : इक्फाई विवि में पीएचडी के नये बैच की शुरुआत सोमवार को हुई। प्रबंधन के क्षेत्र में पीएचडी करने वालों का यह दूसरा बैच है। शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. एके पांडेय ने कहा कि अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अनुसंधान होना चाहिए। इससे जीवन की वास्तविक समस्याओं का समाधान होगा। शोधकर्ताओं को अपने पसंदीदा क्षेत्र में अधिक से अधिक ज्ञान अर्जन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग समस्याओं के समाधान में होना चाहिए। कुलपति प्रो. ओ.आर.एस. राव



पीएचडी के नये बैच में शिक्षा ग्रहण करते शिक्षार्थी।

साया : मुन्ना

विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज देश में प्रतिवर्ष वाणिज्य और प्रबंधन में कुल आठ सौ विद्यार्थी ही प्रतिवर्ष उत्तीर्ण हो रहे हैं। आज सिर्फ 12 प्रतिशत संकाय सदस्य ही पीएचडी योग्यता वाले हैं। डॉ. के. के.

नाग ने छात्रों को जुनून की भावना कि साथ कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। कुलसचिव डॉ. बी.एम. सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम शोधकर्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रख कर बनाया गया है।

रांची एक्सप्रेस

रांची, मंगलवार 16 जुलाई 2013

5 राजधानी

इक्फाई विवि में पीएचडी के दूसरे बैच का उद्घाटन शोध का उपयोग समस्याओं के समाधान में हो : डा. ए.के. पांडेय

रांची, 15 जुलाई (रां.ए.सं.) : राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव डा. ए.के. पांडेय ने कहा कि शोधकर्ता अपने पसंदीदा क्षेत्रों में अधिक से अधिक ज्ञान अर्जन करें और समस्याओं के समाधान में उसका उपयोग करें। वह आज इक्फाई विवि में प्रबंधन संकाय

अंतर्गत पीएचडी के दूसरे बैच के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शोध का उपयोग वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में हो। कुलपति प्रो. ओ.आर.एस. राव ने कहा कि भारत में वाणिज्य एवं प्रबंधन के 800 पीएचडी ही हर साल उत्तीर्ण हो

रहे हैं। यह स्नातकोत्तर व प्रबंधन में संस्थानों जरूरी योग्य संकाय शिक्षकों की तुलना में काफी कम है। आज सिर्फ 12 फीसदी संकाय सदस्य ही पीएचडी योग्यतावाले हैं। इस अवसर पर डा. के.के. नाग, डा. बी.एम. सिंह सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

स्वामी शशांकानंद जी ने ली क्लास



रांची। स्वामी शशांकानंद जी ने मंगलवार को इक्फाई विवि झारखंड के पीएचडी स्कॉलर्स को आत्म प्रबंधन की शिक्षा दी। प्रशासनिक प्रमुख, आईआरटीडीएम फैकल्टी सेंटर तथा रामकृष्ण मठ आश्रम के सचिव शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए अध्यात्मिकता, मूल्यों और नैतिकता पर प्रकाश डाला। स्व प्रबंधन पर स्वामी जी ने कहा कि जिसके पास आत्म ज्ञान है। वही अच्छा छात्र और शिक्षक हो सकता है। प्रबंधन करने से पहले मनुष्य को आत्म प्रबंधन करना चाहिए। इस मौके पर कुलपति ओआरएस राव, रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह समेत छात्र और संकाय सदस्य उपस्थित थे।



RAANCHI | WEDNESDAY | JULY 17, 2013 Page-3

रांची, बुधवार, 17 जुलाई 2013

www.sanmargjharkhand.com

05

ICFAI BEGINS SECOND BATCH OF PART-TIME PHD

ICFAI University, Jharkhand organized a class on Spirituality, Value & Ethics for the PhD scholars of the second batch at its Ashok Nagar Campus on Tuesday. Swami Shashankanandji, Administrative Head of the IRTDM Faculty Centre and Secretary, Rama Krishna Math Ashram, Ranchi, while addressing the PhD scholars, highlighted the importance of inculcating spirituality, values and ethics in all human beings.

पीएचडी स्कॉलर्स को दी गयी आत्म प्रबंधन की शिक्षा

रांची : इक्फाई विवि में मंगलवार को पीएचडी स्कॉलर्स के लिए आध्यात्मिकता, मूल्य और नैतिकता पर शिक्षा दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित स्वामी शशांकानंद ने आध्यात्मिकता, मूल्यों व नैतिकता पैदा करने पर प्रकाश डाला। स्व प्रबंधन पर स्वामी विवेकानंद के शब्दों को याद करते हुए कहा कि जिसके पास आत्म ज्ञान है, वही अच्छा छात्र, अच्छा शिक्षक, अच्छा डॉक्टर, अच्छा वकील और एक अच्छा प्रबंधक व अच्छा नागरिक हो सकता है। स्वामी जी ने कहा कि प्रबंधन करने से पहले मनुष्य को आत्म प्रबंधन करना चाहिए। ताकि जीवन उन नियंत्रित ऊर्जा से भर जाये। यह खुद के लिए और समाज के लिए उपयोगी है। इस अवसर पर कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा कि छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र विकसित करने के लिए सभी कार्यक्रमों में मूल्यों और नैतिकता के पाठ शामिल किये गये हैं।

दैनिक भास्कर

रांची, बुधवार, 17 जुलाई, 2013 5

रिसर्च स्कॉलरों को मिले टिप्स



रांची। इक्फाई विवि परिसर, अशोक नगर में मंगलवार को 'पीएचडी कर रहे रिसर्च स्कॉलरों में मूल्यों, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना का विकास' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्वामी शशांकानंद ने कहा कि आत्म ज्ञान से ही व्यक्ति

कुशल प्रबंधक या अन्य क्षेत्रों में सफल हो सकता है। वीसी ओएस राव ने कहा कि पीएचडी प्रोग्राम में नैतिकता के पाठ्यक्रम को भी जोड़ा गया है। मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह सहित इक्फाई विवि के अन्य अधिकारी व रिसर्च स्कॉलर मौजूद थे।